RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –III GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES

Unit-II - **Public Administration**

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. सुशासन (Good Governance) को परिभाषित कीजिए ?

उत्तरः- 80-90 के दशक में विश्व बैंक द्वारा प्रचारित अवधारणा जिसके अनुसार किसी देश, काल, परिस्थिति में शासन का पारदर्शी, संवेदनशील, जवाबदेह, सुधारात्मक व जन केन्द्रित स्वरूप सुशासन कहलता हैं।

2. नव लोक प्रबंधन (NPM) को स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः- प्रशासन में कार्यकुशलता, मितव्ययता, प्रभावशीलता लाने के उद्देश्य से सरकार को उद्यमी सरकार (10 गुण) मानते हुए प्रबंधन में स्वायत्तता, बाजरोन्मुखी प्रक्रियाएँ व नागरिकों को गुणवक्ता पूर्ण सेवा जैसे तत्वों का समावेश करना नवलोक प्रबंधन हैं।

3. **राजनीति-प्रशासन द्विभाजन से क्या आशय हैं ?**

उत्तरः- राजनीति-प्रशासन द्विभाजन के अन्तर्गत प्रशासनिक कार्य सिद्धांतों व तंत्र (स्थायी) को राजनैतिक तंत्र (अस्थायी) से विभेदित किया गया, जो कालानतर में लोकप्रशासन का उद्गम स्त्रोत बना ।

4. **निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व को उदाहरण सहित समझाइये ?**

उत्तरः- संगठन द्वारा उन नीतियों का अनुसरण करना जो समाज के लक्ष्यों व मूल्यों द्वारा वांछनीय हो, सामाजिक उत्तरदायित्व कहलाता है। इसमें संगठनों द्वारा अपने लाभांश का निश्चित प्रतिशत (वर्तमान में 2%) समाज हित में व्यय करने की अवधारण भी सम्मिलित है, उहादहरण - हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा 'सखी कार्यक्रम'।

5. **नव अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था क्या हैं ?**

उत्तरः- इस व्यवस्था के अनुसार वैश्विक शक्ति का केन्द्र वह राष्ट्र बनेगा जिसकी अर्थव्यवस्था सर्वाधिक सुदृढ़ होगी।

6. **परम्परागत लोक प्रशासन व नवीन लोक प्रशासन में अंतर कीजिए ?**

उत्तर :-

परम्परागत लोक प्रशासन	नवीन लोक प्रशासन
i. प्रशासन में कार्यकुशलता, मितव्ययता पर अधिक बल	**i.** प्रशासन में मूल्यों, नैतिकता एवं परिवर्तन पर बल
ii. संगठन के उन सिद्धांतों पर आधारित जो उत्पादन में वृद्धि कर सके। उदाहरण - तकनीक, संरचना, व्यवहार आदि।	**ii.** प्रशासन का पुनर्योजी सिद्धांत जिसमें मूल्य, प्रासंगिकता, परिवर्तन व समानता पर बल ।
iii. लोक प्रशासन का यथा स्थितिवाद के पोषक माना, जिस कारण बदलते परिवेश में यह अप्रासंगिक हो गया ।	**iii.** नवाचार व परिवर्तनोमुखी जिससे प्रशासन बदलती सामाजिक समस्याओं के प्रति प्रासंगिक व संवेदनशील बना ।
iv. कठोरतावादी सिद्धांत	**iv.** नवउदारवादी सिद्धांत

7. **जन चयन उपगाम से क्या आशय हैं, इसका संक्षेप में महत्व समझाइयें ?**

उत्तरः- 1960 के दशक में जन चयन उपागम अस्तित्व में आया, जब प्रतिपादक विन्सेट ऑस्ट्रोम ने 'नौकरशाही प्रशासन' के पारम्परिक सिद्धांत को 'लोकतांत्रक प्रशासन' से बदलने का सुझाव दिया। जन चयन उपागम में उपभोक्ता प्राथमिकताओं को बढ़ावा देने के लिए सांगठनिक बहुलता पर बल दिया एवं उपयोगिता के अधिकतमीकरण की अवधारणा को केन्द्र में रखने हेतु प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त लोक सेवा वितरण की समस्याओं हेतु विसरित प्रशासनिक अधिकार, प्रशासन में जनभागीदारी व राजनैतिक प्रशासन के अलगाव जेसे उपाय प्रस्तुत किये। इस प्रकार जन चयन उपगाम स्वहित के स्थान पर लोक हित केन्द्रित उपागम हैं।

8. **परिर्वतन का प्रबंधन से क्या आशय है, इसका महत्व संक्षेप में समझाइयें ?**

उत्तरः- परिवर्तन का प्रबंधन वह नियोजित व व्यवस्थित प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक निश्चित समयावधि में तकनीक, संरचना, प्रक्रिया व व्यवहार इत्यादि आयामों में सकारात्मक परिवर्तन किया जाता हैं। इस हेतु सर्वप्रथम परिवर्तन के लिए उत्तरदायी आंतरिक व बाह्य कारकों को चिन्हित किया जाता है तत्पश्चात् परिवर्तनकारी शक्तियों (प्रेरक व प्रतिरोधात्मक) का

विश्लेषण कर संपूर्ण संगठन में परिवर्तन का नियोजन कर प्रतिरोधक तत्वों का कुशलता से निवारण कर संगठन को परिवर्तन हेतु तैयार किया जाता है। इस प्रक्रिया के अंतिम चरण में परिर्वतन को लागू कर इसके प्रभावों का मूल्यांकन किया जाता है।

परिवर्तन का प्रबंधन परिस्थितियों के अनुरूप संगठन में अनुकूलन करता है व प्रतिस्पर्धी वातावरण से सामन्जस्य स्थापित करने में सहायक है। संगठन में नवाचार, कर्मचारियों व प्रक्रियाओं की कार्यकुशलता में वृद्धि, संगठन को भविष्य हेतु तैयार करने में इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण योगदान हैं। संगठन में नीतियों के तीव्र क्रियान्वयन को संभव बनाकर यह संगठन द्वारा अवसरों की ग्रहणशीलता में वृद्धि कर संगठन की गुणवत्ता में वृद्धि का महत्वपूर्ण कारक हैं।

सारथि एकेडमी